विकलांग मंच

विकलांग समुदाय का मार्गदर्शक पाक्षिक

वर्ष : 31 अंक: 20	जयपुर 16 अप्रैल, 2017	RNI No.: 46429/86 Po.Regn.No.:Jaipur City/207/2015-17	वार्षिक शुल्क: 50/- प्रति मूल्य:2.50 पृष्ठ-12

विकलांग मंच के आजीवन/वार्षिक सदस्य बनें एवं दूसरों को भी इसके सदस्य बनने की प्रेरणा दें

विकलांग मंच

8/141, मालवीय नगर, जयपुर-302017

फोन:0141-2547156, 8764425593, 9352320013, फैक्स:0141-4036350

E-Mail:vicklangmanch@ymail.com E-Mail:vicklangmanch@gmail.com

यूपी में सबसे अधिक दिव्यांग

योगी ने बदला विभाग का नाम

लखनऊ (जस)। देश में सबसे अधिक विकलांगों की संख्या वाले उत्तर प्रदेश में भी अब विकलांग जनों को दिव्यांग की संज्ञा मिल गई है। मोदी के बाद योगी ने भी विकलांग जन विकास विभाग का नाम बदलकर दिव्यांग जन सशक्तिकरण विभाग कर दिया है। मुख्यमंत्री ने विकलांगजनों के मासिक अनुदान को भी बढ़ाने का आश्वासन दिया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विकलांग जन विकास विभाग के अन्तर्गत संचालित विभिन्न योजनाओं का प्रस्तुतिकरण देखते हुए इस विभाग का नाम बदलकर दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग करने के निर्देश दिए। उन्होंने निराश्रित विकलांग जन को राज्य सरकार द्वारा उपलब्ध कराए जा रहे 300 रुपये प्रतिमाह के भरण-पोषण अनुदान को चरणबद्ध ढंग से बढ़ाकर 500 रुपये प्रतिमाह करने का आश्वासन दिया। प्रस्तुतिकरण के दौरान मुख्यमंत्री ने विकलांगजन विकास विभाग द्वारा संचालित विकलांग पेंशन, कुष्ठावस्था पेंशन, कृत्रिम अंग, सहायक उपकरण अनुदान, विकलांगजन के विवाह हेतु प्रोत्साहन पुरस्कार योजनाए दुकान निर्माण, संचालन योजना, उ.प्र. राज्य परिवहन निगम की बसों में विकलांग जन को नि:शुल्क यात्रा सुविधा, निर्धन एवं असहाय विकलांग जन की शल्य चिकित्सा हेतु अनुदान तथा विकलांग जन के प्रोत्साहन हेतु राज्य स्तरीय पुरस्कार से सम्बन्धित योजनाओं के विषय में विस्तृत जानकारी ली। योगी ने सरकारी नौकरियों में विकलांग जन के कोटे को भरे जाने के निर्देश देते हुए समूह ग में भर्ती की कार्यवाही शुरू करने के लिए कहा। उन्होंने कहा कि जिन विभागों में यह कोटा रिक्त हो, उनका चिन्हांकन करते हुए इन पदों को शीघ्रता के साथ भरा जाए। उन्होंने विकलांग जन हेतु हेल्प लाइन नम्बर की व्यवस्था करने के

निर्देश दिए। उन्होंने विभागीय विद्यालयों संस्थाओं के सुदृढ़ीकरण हेतु कॉरपोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी कार्यक्रम के अन्तर्गत सहयोग स्वीकार करने की अनुमति के सम्बन्ध में शीघ्र ही प्रस्ताव प्रस्तुत करने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री ने कुष्ठ रोगियों को चिन्हित कर उन्हें उनके लिए स्थापित किए गए आश्रमों में पहुंचाने की व्यवस्था को ठीक ढंग से संचालित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कुष्ठ रोगियों के बच्चों को आश्रम पद्धति विद्यालयों में प्रवेश देकर उनकी शिक्षा की व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए कहा। ऐसे बच्चों के लिए छात्रवृत्ति की भी व्यवस्था करने के निर्देश दिए। इस विभाग की योजनाओं को भारत सरकार द्वारा दिव्यांग जन कल्याण के लिए संचालित योजनाओं से जोड़ा जाए। उन्होंने प्रदेश के 403 विधान सभा क्षेत्रों में कैम्प लगाकर विकलांग जनों को कृत्रिम अंग व सहायता उपकरण उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि वर्ष 2019 से पहले इस योजना के तहत सभी लाभार्थियों को कवर कर लिया जाए। भारत सरकार विकलांग जनों की सुविधा के लिए संचालित कृत्रिम अंग योजना के तहत धन उपलब्ध करा रही है। उन्होंने विकलांग जन विकास विभाग को निर्देशित किया कि वे प्रदेश के सभी जरूरतमन्द विकलांग जनों को उपलब्ध कराए जाने वाले उपकरणों इत्यादि के लिए आवश्यक धनराशि का आकलन कर इस सम्बन्ध में प्रस्ताव केन्द्र सरकार को भेजें।

योगी ने विकलांग जन की सहायता के लिए संचालित दुकान निर्माण व संचालन योजना के सम्बन्ध में कहा कि इसके लिए बैटरी चलित रिक्शा में ही पीछे की ओर दुकान की व्यवस्था की जाए, जिससे यह रिक्शा एक मोबाइल शॉप का रूप ले लेगा और विकलांग जन को सामान बेचने में मददगार साबित होगा और वे स्वावलम्बी बन सकेंगे।

दिव्यांग एवं मूक बधिर विद्यार्थियों से रूबरू हुए न्यायधिपति

दिव्यांगों के प्रति सोच बदलें

उदयपुर (निप्र)। देश दिव्यांगों के आरक्षण के प्रति एक सजगता पैदा हुई है, आज सरकारी भवन हो, शिक्षा की संस्था हो या अन्य कोई संस्था हो उनके अंदर दिव्यांगों के प्रति सजगता देखने को मिलती है। कोई समारोह छोटा या बड़ा नहीं होता, सिर्फ यह देखा जाता है कि वह किस भावना से किया गया है।

उक्त विचार राजकीय अंध उच्च माध्यमिक विद्यालय एवं समिधा संस्थान के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित समारोह में राजस्थान उच्च न्यायालय जोधपुर के न्यायाधिपति पी.एस. भाटी ने बतौर मुख्य अतिथि कही। उन्होंने कहा कि मैं आपको भारत का गौरव, भारत के संविधान का मुकूट न्यायपालिका का एक छोटा सा सदस्य होने के नाते दिव्यांग विद्यार्थियों का विश्वास दिलाया कि सभी छात्रों का भविष्य बहुत सुनहरा एवं अच्छा है और न्यायपालिका द्वारा ऐसे फेसले आ रहे है जिनके अंदर दिव्यांगों की सुरक्षा और उनके भविष्य को देखते हुए सरकार एवं समाज को दिशा निर्देश दिये जा रहे है। साथ ही हमारी जो विधायिका एवं कार्यपालिका है वह भी अच्छे अच्छे कार्य कर रही है जिससे दिव्यांग छात्र छात्राए भी देश की मुख्य धारा से जुड सके, अपने पेरों पर खड़ा होकर अपनी आजिविका चला सके। उन्होंने कहा कि सिर्फ 03 प्रतिशत आरक्षण देकर काम नहीं चलेगा इसके लिए दिव्यांगों के प्रति आम व्यक्ति को अपनी सोच बदलनी होगी। हर व्यक्ति को सम्मान के साथ समाज में जीने का अधिकार है। उन्होंने समाजसेवियों का आव्हान किया कि दिव्यांग एवं मुख बधिर विद्यार्थियों को देश की मुख्य धारा में जोड़ने के लिए अपनी आहूति देकर एक अच्छा नेक कार्य करें। समारोह में दिव्यांग एवं मुख बधिर विद्यार्थियों ने देश भक्ति गीत, स्वच्छ भारत स्वस्थ भारत का मंचन, तलवारबाजी, सामुहिक नृत्य प्रस्तुत कर दर्शकों एवं अतिथियों का मन मोह लिया। विशिष्ठ अतिथि जनार्दनराय नागर राजस्थान विद्यापीठ विवि के कुलपति प्रो.एस.एस. सारंगदेवोत ने कहा कि सर्वे के अनुसार करीब तीन करोड़ लोग दृष्टिहीन है, 82 लाख व्यक्ति केवल एक आंख से देख सकते है तथा 4 से 5 करोड़ व्यक्ति ऐसे जिनकी कम दृष्टि है जो घर से बाहर भी नहीं निकल सकते है। उन्होंने कहा कि प्रकृति ने प्रत्येक जीव को एक दृष्टि दी है और दृष्टि एक ऐसा अमूल्य उपहार है जिसकी कोई कीमत नहीं आंकी जा सकती।

विचार मंच

जीवन में इतना कमाओ की बेटे की शादी में दहेज मांगने की नौबत ना आए और बेटी को इतना पढ़ाओ की दहेज देने की जरूरत ना पड़े।

-अज्ञात

देश की 45 फीसदी दिव्यांग आबादी अशिक्षित

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विकलांगों को दिव्यांग नाम दिया है। सरकार ने 2015 में दिव्यांगों के लिए एक्सेसिबल इंडिया अभियान शुरू किया था। सरकार दिव्यांगों को देश में समानता देने की बात तो करती रही है, लेकिन वे आज भी देश की आर्थिक, सामाजिक एवं राजनीतिक प्रगति में सहभागिता नहीं कर पाए हैं। खास बात यह है कि देश में 1 करोड़ से ज्यादा दिव्यांग शिक्षित नहीं है।

देश में विकलांग व्यक्ति (समान अवसर, अधिकार संरक्षण एवं पूर्ण भागीदारी) अधिनियम के पारित हुए 22 वर्ष हो चुके हैं, लेकिन शिक्षा और रोजगार के अवसर की बात करें तो इन 22 सालों में देश में विकलांगों या दिव्यांगों की स्थिति ठीक नहीं है।

जनगणना 2011 के अनुसार, देश की 45 फीसदी विकलांग आबादी अशिक्षित है, जबकि पूरी आबादी की बात की जाए तो अशिक्षितों का प्रतिशत 26 है। दिव्यांगों में भी जो शिक्षित हैं, उनमें 59 फीसदी 10वीं पास हैं, जबकि देश की कुल आबादी का 67 फीसदी 10वीं तक शिक्षित है। सर्वशिक्षा अभियान के तहत सभी को एकसमान शिक्षा देने का वादा तो किया गया है, बावजूद इसके शिक्षा व्यवस्था से बाहर रहने वाली आबादी का सबसे बड़ा हिस्सा विकलांग बच्चों का है। 6-13 आयुवर्ग के विकलांग बच्चों की 28 फीसदी आबादी स्कूल से बाहर है। विकलांगों के बीच भी ऐसे बच्चे जिनके एक से अधिक अंग अपंग हैं, उनकी 44 फीसदी आबादी शिक्षा से वंचित है, जबकि मानसिक रूप से अपंग 36 फीसदी बच्चे और बोलने में अक्षम 35 फीसदी बच्चे शिक्षा से वंचित हैं।

विशेषज्ञों का सुझाव है कि दिव्यांगों को सिर्फ शारीरिक रूप से शिक्षा मुहैया कराने से कहीं अधिक प्रयास करने चाहिए। एक्सेसिबल इंडिया कैंपेन में लक्ष्य रखा गया है कि जुलाई, 2018 तक राष्ट्रीय राजधानी और राज्य की राजधानियों में 50 फीसदी सरकारी इमारतों को विकलांगों के अनुकूल बनाया जाएगा।

टाटा इंस्टीट्यूट ऑफसोशल साइंस के सेंटर फॉर डिसएबिलिटी स्टडीज एंड एक्शन में प्राध्यापिका श्रीलता जुवा कहती हैं, एक्सेसिबल इंडिया अभियान की सबसे बड़ी परेशानी यह है कि हम सिर्फ बाहरी अवसरों की बात कर रहे हैं, वैचारिक पहुंच की बात ही नहीं कर रहे। अगर आप समावेशी शिक्षा का अवसर पैदा करना चाहते हैं तो आपको दोनों चीजों की जरूरत होगी।

दरअसल, दिव्यांग बच्चों की शिक्षा को लेकर यह विवाद बना हुआ है कि उनके लिए विशेष रूप से उनके अलग स्कूल विकसित किए जाएं या उन्हें अन्य सामान्य स्कूलों में ही शिक्षा दी जाए, लेकिन इसे लेकर भी सरकार के पास कोई स्पष्ट नीति नहीं है। समाज कल्याण एवं अधिकारिता मंत्रालय विकलांग बच्चों के लिए अलग से स्कूल चलाता है, वहीं मानव संसाधन विकास मंत्रालय सामान्य विद्यालयों में ही विकलांग बच्चों को भी शिक्षा देने की वकालत करता है। दूसरा बड़ा विवाद खड़ा होता है दिव्यांगों की उच्च शिक्षा में विषय चयन को लेकर।

अधिकतर मामलों में उच्च शिक्षा में विकलांग विद्यार्थियों को उनकी मर्जी के विषय नहीं मिल पाते। हाल ही में दो दृष्टिहीन विद्यार्थियों को मर्जी का विषय चुनने के लिए अदालत की शरण लेनी पड़ी। कृतिका पुरोहित ने फीजियोथेरेपी में अध्ययन हासिल करने के लिए बंबई उच्च न्यायालय में याचिका दाखिल की, जबकि रेशमा दिलीप ने केरल उच्च न्यायालय से माध्यमिक के बाद विज्ञान विषय देने की गुहार लगाई। जेवियर रिसोर्स सेंटर फॉर विजुअली चैलेंज्ड की प्रोजेक्ट कंसल्टेंट नेहा त्रिवेदी कहती हैं, प्राथमिक दिक्कत तो यह है कि चूंकि शिक्षा केंद्र और राज्य दोनों का विषय है, इसलिए समान दिशा-निर्देश तैयार करने के लिए कोई केंद्रीय संस्थान नहीं है।

दिव्यांग कन्याओं ने लिया संकल्प सफलता की ओर बढ़ेंगे कदम

उदयपुर (निप्र)। नारायण सेवा संस्थान की ओर से दुर्गाष्टमी पर संस्थान के सेवा महातीर्थ बडी में 501 दिव्यांग कन्या पूजन महानुष्ठान संपन्न हुआ। संस्थान संस्थापक कैलाश मानव, सहसंस्थापिका कमला देवी अग्रवाल, अध्यक्ष प्रशांत अग्रवाल, निदेशक वंदना अग्रवाल, प्रधानमंत्री कार्यालय में अवर सचिव प्रदीप बाली, पर्यावरण मंत्रालय में अवर सचिव सुमन दीक्षित एवं हैदराबाद के पासपोर्ट अधिकारी सैयद साबिर अली ने वेदियों पर विराजमान कन्याओं को तिलक लगाकर लाल चुनरी ओढ़ाई और हलवा-पुरी का नेवैद्य अर्पित किया। कन्याओं को कंगन, माला, बिंदी आदि श्रृंगार-प्रसाधन सामग्री के साथ ही स्कूल ड्रैस, बैग, स्टेशनरी व पानी की बोटल, टिफिन, खिलौने आदि उपहार भी प्रदान किए गए। संस्थान अध्यक्ष प्रशांत अग्रवाल ने बताया कि देश के विभिन्न राज्यों से आई इन कन्याओं के संस्थान में नवरात्रि के दौरान पोलियो करेक्शन के नि:शुल्क ऑपरेशन सम्पन्न हुए। उनके परिजनों ने भी विशेषरूप से ये संकल्प लिया कि कन्या भ्रूण हत्या, दहेज प्रथा तथा बेटे-बेटी में भेदभाव जैसी कुरीतियों का खात्मा करने में योगदान देंगे। प्रात: 10:15 बजे हवन के साथ आरम्भ हुए अनुष्ठान में संस्थापक पद्मश्री कैलाश मानव ने कहा कि माँ दुर्गा की उपासना से जीवनी शक्ति प्राप्त होती है। दिव्यांग कन्याओं के पूजन के इस मौके पर हमें नारी सशक्तिकरण का संकल्प लेकर सुखी व सुसंस्कृत समाज के निर्माण में अपनी सहभागिता बढ़ानी चाहिए। निदेशक वंदना अग्रवाल के स्वर में स्वर मिलाते हुए कन्याओं ने संकल्प लिया कि वे संस्थान में पोलियो करेक्शन के बाद पूरे आत्म-विश्वास से शिक्षा और अन्य क्षेत्रों में सफलता को अपना लक्ष्य बनाएंगी। उन्होंने संकल्प में समवेत स्वरों में कहा कि 'हम ना रूकी थी कभी, हम ना रूकेंगी कभी, आगे बढ़ेंगी अभी, साथ देंगे सभी।

बेटा अंश तो बेटी वंश

कन्या पूजन के विशाल पांडाल के मध्य माता दुर्गा की विशाल प्रतिमा के आस-पास विभिन्न तख्तियाँ लगाई गईं थीं। जिन पर बेटी के महत्व को प्रतिपादित करने वाले नारे लिखे थे। यथा-बेटी है तो कल है, शक्ति का नाम ही नारी है, लक्ष्मी का वरदान है बेटी, बेटा अंश है तो बेटी वंश, बेटी दो घरों का भाग्य, बेटा राग तो बेटी बाग, बेटा वारिस तो बेटी पारस, बेटा तन तो बेटी मन, बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ, कन्या भ्रूण हत्या न करें, बेटा प्रेम तो बेटी पूजा है। संचालन महिम जैन ने किया।

कविता को लगाया कृत्रिम हाथ

उदयपुर (निप्र)। नारायण सेवा संस्थान में छत्तीसगढ़ प्रदेश के पटेरी गांव की बालिका कविता के नि:शुल्क मोड्यूलर (कृत्रिम) हाथ लगाया गया। संस्थान निदेशक वंदना अग्रवाल के अनुसार 10 वीं क्लास की यह छात्रा जब 6 साल की थी, गांव में ही आम तोड़ने चढ़ी थी, वही से गुजर रही बिजली की हाईटेंशन लाइन से इसका हाथ छू गया और करंट लगने से नीचे गिर पड़ी। परिवार ने इलाज तो करवाया किन्तु अंतत: हाथ को कटवाना पड़ा।

नि:शुल्क हृदय रोग चिकित्सा परामर्श शिविर

चिड़ावा (निप्र)। अक्षय प्रतिष्ठान एवं मेट्रो मास हॉस्पिटल, शिप्रा पथ मानसरोवर, जयपुर के संयुक्त तत्वाधान में एक दिवसीय नि:शुल्क हृदय रोग चिकित्सा परामर्श शिविर का आयोजन अक्षय प्रतिष्ठान चिड़ावा में किया गया। शिविर में 45 रोगियों को चिकित्सा परामर्श दिया गया।

शिविर में मेट्रो मास हॉस्पिटल जयपुर के वरिष्ठ हृदय रोग विषेशज्ञ डा. ऋषभ माथुर, अभिशेक शर्मा, एवं भुपेन्द्र ने अपनी सेवाएँ दी। शिविर में आए रोगियों की नि:शुल्क शूगर, ब्लड प्रेशर एवं ई.सी.जी. जॉच की गई।

अक्षय प्रतिष्ठान के डा. शहजाद नबी, लीलाधर भगेरिया, मोहम्मद वकील, धर्मवीर, श्रीमति सुमन शर्मा, श्रीमति रामा देवी, कैलाश शर्मा, विजय सिंह, हरिराम सैनी एवं राम सिंह ने अपनी सेवाएँ दीं।

नेत्रदान महादान

नेत्रदान किसी भी आयु, लिंग या रक्त ग्रुप का हो सकता है।

विकलांग मंच कार्यालय: प्लाट नं. 141, सेक्टर-8, मालवीय नगर, जयपुर-302017, फोन:0141-2547156. फोटो टाइपसेटिंग: टास्क ग्राफिक्स (मोबा.:9828278728)। मुद्रित: श्रीराम आफसेट, जोरावरसिंह गेट बाहर, आमेर रोड, जयपुर। संरक्षक: डी.आर.मेहता (रिटा.आईएएस)। प्रधान संपादक: एम.आर.सिंघवी (रिटा.आईआईएस)। प्रकाशक मुद्रक एवं सम्पादक: एन.के.खत्री। संपादकीय सलाहकार:डॉ. अरुण माथुर। हाडोती अंचल ब्यूरो प्रमुख: अर्जुन देव चद्दा, कोटा। प्रबन्धक:धर्मपाल। E-Mail:vicklangmanch@ymail.com / vicklangmanch@gmail.com

पीआरओ डॉ. लोकेश चंद्र शर्मा को पत्नी शोक

जयपुर (कासं)। राजभवन में कार्यरत जनसम्पर्क सेवा के वरिष्ठ अधिकारी डॉ. लोकेश चन्द्र शर्मा की धर्मपत्नी श्रीमती अंजू शर्मा के असामयिक निधन पर जनसम्पर्क परिवार ने गहरा शोक प्रकट किया। सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग के शासन सचिव अरीजित बनर्जी, निदेशक श्रीमती अनुप्रेणा सिंह कुंतल सहित जनसम्पर्क सेवा के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने स्व. अंजु शर्मा के असामयिक निधन पर शोक प्रकट करते हुए दिवंगत की आत्मा को शांति प्रदान करने एवं शोकाकुल परिजनों को यह आघात सहन करने की शन्ति प्रदान करने हेतु ईश्वर से प्रार्थना की।

सेरेब्रल पाल्सी उपचार शिविर 30 को

जयपुर (कासं)। नि:शक्त कल्याण परिषद एवं जैन सभा जयपुर के संयुक्त तत्वावधान में सेरेब्रल पाल्सी (जन्मजात विकलांगता) एवं बच्चों की हड्डी से संबंधित रोगों का नि:शुल्क उपचार शिविर 30 अप्रैल को यहां दिगम्बर जैन नसिया, नारायणसिंह सर्किल के पास, टोंक रोड पर प्रात: 8 बजे से दोपहर 2 बजे तक आयोजित किया जाएगा। नि:शक्त कल्याण परिषद के प्रदेश सहसंयोजक राजेश वर्मा ने बताया कि इस शिविर में त्रिशला फाउण्डेशन, इलाहाबाद से सेरेब्रल पाल्सी विशेषज्ञ डॉ. जे. के. जैन अपनी टीम के साथ बच्चों की जांच कर उनका उपचार करेंगे।

विकलांग व्यावसायिक केन्द्र, जयपुर (व्यापक) का नाम बदला

जयपुर (कासं)। भारत सरकार के श्रम एवं रोजगार मंत्रालय ने एक परिपत्र जारी कर विकलांग व्यावसायिक केन्द्र, जयपुर का नाम बदलते हुए अन्यथा सक्षम राष्ट्रीय आजीविका सेवा केन्द्र, जयपुर कर दिया है। अन्यथा सक्षम राष्ट्रीय आजीविका सेवा केन्द्र, जयपुर के सहायक निदेशक यशपाल सिंह ने बताया कि केन्द्र सरकार ने केन्द्र को राष्ट्रीय आजीविका सेवा (एनसीएस) से जोड़ते हुए विकलांग व्यावसायिक केन्द्र, जयपुर का नाम परिवर्तित किया गया है। सिंह ने बताया कि राष्ट्रीय आजीविका सेवा के तहत रोजगार हेतु आनलाइन पंजीयन किया जाता है। अन्यथा सक्षम राष्ट्रीय आजीविका सेवा केन्द्र, जयपुर का पता 4-स-23, सूर्य पथ, जवाहर नगर, जयपुर एवं फोन नं.0141-2652232 है।

दिव्यांग सम्मान समारोह

अन्ता/बारां (निप्र)। राष्ट्रीय विकलांग पार्टी की ओर से हाल ही यहां दिव्यांग सम्मान समारोह आयोजित किया गया। समारोह के मुख्य अतिथि सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के उप निदेशक रामराज मीणा रहे व अध्यक्षता राविपा के प्रदेश अध्यक्ष आफाक अहमद खान ने की। इस अवसर पर विशिष्ट दिव्यांगों को प्रतीक चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में राविपा के बारां जिला अध्यक्ष राधेश्याम जोशी, महिला विंग की अध्यक्ष उमादेवी, कोटा जिला अध्यक्ष राजेन्द्र सिंह चोहान आदि उपस्थित रहे।

भास्कर ग्रुप के चेयरमैन को श्रद्धासुमन

उदयपुर (निप्र)। दैनिक भास्कर ग्रुप के चेयरमैन रमेश चन्द्र अग्रवाल के आकस्मिक निधन पर नारायण सेवा संस्थान के संस्थापक पद्मश्री कैलाश मानव ने गहरा शोक व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि उनके माध्यम से देश में कई जगह विशेष कर भोपाल में दिव्यांगों की सहायता व चिकित्सा के लिए नि:शुल्क शिविर आयोजित किये गए। वे करूणाशील, समाजसेवी और पत्रकार थे। उनके द्वारा प्रकाशित दैनिक भास्कर में पत्रकारिता के मान और मूल्यों को उच्च आयाम दिये।

राउत बैंक ऑफ महाराष्ट्र के ईडी नियुक्त

जयपुर (कासं)। भारतीय स्टेट बैंक के महाप्रबंधक ए.सी. राउत को बैंक ऑफ महाराष्ट्र का कार्यकारी निदेशक नियुक्त किया गया है। राउत ने वर्ष 1983 में स्टेट बैंक ऑफ हैदराबाद में बतौर परीवीक्षाधीन अधिकारी के रूप में कामकाज शुरू किया था। इसके बाद यह स्टेट बैंक समूह में विभिन्न पदों पर कार्यरत रहे।

श्रद्धांजलि

लोहागढ़ विकास परिषद के प्रमोटर
डॉ. लोकेश चन्द्र शर्मा
(PRO राज्यपाल, राजभवन, जयपुर)
की जीवनसंगिनी

श्रीमती अंजू शर्मा

के असामयिक निधन पर विनम्र श्रद्धांजलि।

लोहागढ़ विकास परिषद

मो.: 9530383630,
9983251834, 9251699651

दिव्यांगजनों का मूल्यांकन एवं चिन्हीकरण

मेड़ता सिटी (निप्र)। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग नागौर के निर्देशानुसार पंचायत समिति मेड़ता परिसर में दिव्यांगजनों का मूल्यांकन एवं चिन्हीकरण शिविर का आयोजन मेड़ता विधायक सुखाराम नेतड़िया के मुख्य आतिथ्य व नगरपालिका चेयरमेन रूस्तम अली प्रिंस की मौजूदगी में किया गया।

मेड़ता, रियांबड़ी एवं डेगाना तहसील क्षेत्र के लिए सामूहिक रूप से आयोजित शिविर होने के कारण भारी भीड़ रही। शिविर में कुल 1327 जनों का पंजीयन किया गया, जिसमें विकलांग प्रमाण पत्र 287, रोडवेज पास 119, पेंशन जारी 83, श्रम रजिस्ट्रेशन 20 एवं करीब 800 चिन्हीकरण किये गए। शिविर में देर रात तक उप जिला

मेड़ता में लगा शिविर

कलक्टर मेड़ता हीरा लाल मीणा, रवीन्द्र कुमार चौधरी एस डी एम डेगाना, नीरज मिश्र तहसीलदार मेड़ता, सांवरमल चौधरी तहसीलदार रियां बड़ी, पूनाराम चौधरी तहसीलदार डेगाना, हेमन्त खटीक सहायक निदेशक समाज कल्याण विभाग नागौर, रणजीत चौधरी विकास अधिकारी उपस्थित थे। नागौर चिकित्सालय की टीम के साथ मेड़ता की टीम में डा. शंकर लाल, डा.जय प्रकाश टांक, डा. धर्मेन्द्र डूडी, डा. रमा कान्त शर्मा, डा. मीनाक्षी, डा. रीना ढाका, डा. योगेश शर्मा, पार्षद दशरथ सारस्वत आदि ने अपनी सेवाएं दी। शिविर का अतिरिक्त जिला कलक्टर नागौर चंदीराम झाझड़िया ने निरीक्षण कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए। दिव्यांगों के लिए पर्याप्त मात्रा में छाया, पानी की व्यवस्था की गई।

लुई-ब्रेल दृष्टिहीन विकास संस्थान द्वारा

एयू फाइनेंसियर्स कंपनी के सहयोग से संचालित

निराश्रित दृष्टिबाधित वृद्धजनों के लिए

आसरा

श्री

सेवाधाम

- श्री सेवाधाम का उद्देश्य समाज के सभी वर्गों के निराश्रित दृष्टिबाधित वृद्ध पुरूष और महिलाएं जो कि अपने लिए जीवन सुविधाएं जुटाने में असमर्थ है, को भोजन, आवास एवं अन्य सुविधा सहित उचित आध्यात्मिक वातावरण उपलब्ध करवाना है।
- श्री सेवाधाम सम्भवतया जीवन के लिए आवश्यक सभी सुख-सुविधाएं शान्त एवं सुरक्षित वातावरण में नि:शुल्क सुविधा उपलब्ध करवाने के लिए कटिबद्ध एवं प्रयासरत है।
- श्री सेवाधाम में प्रवेश हेतु शर्ते एवं अहर्ताएं - संस्था में प्रवेश हेतु आवासी पुरूष एवं महिला की आयु न्युनतम 60 वर्ष होनी अनिवार्य है, लेकिन संस्था कार्यकारिणी समिति के पास किसी विशेष परिस्थिति अनुसार निर्णय लेने का अधिकार रहेगा।
- आवासी को संस्था द्वारा निर्धारित आवेदन-पत्र संस्था कार्यालय से लेकर जो कि नि:शुल्क है, को भरकर जमा करवाना अनिवार्य होगा।
- आवासी के पास अपना दृष्टिबाधिता प्रमाण-पत्र होना अनिवार्य है।
- प्रार्थी को अपने आवेदन के साथ अपने पहचान पत्र जैसे वोटर आई.डी., आधार कार्ड, पासपोर्ट, राशन कार्ड, परिवार का आय प्रमाण पत्र, पेन कार्ड आदि संलग्न करने होंगे।
- आवेदन-पत्र में किसी भी कथन के असत्य पाये जाने पर संस्था कार्यकारिणी समिति को उसका आवेदन रद्द करने का अधिकार होगा।

श्री सेवाधाम में प्रवेश प्रक्रिया एक अप्रैल 2017 से शुरू

सम्पर्क सूत्र

ओमप्रकाश अग्रवाल	धर्मपाल	सीताराम गुप्ता
मानद सचिव	प्रबंधक	छात्रावास परिचारक
9314561988	9351960369	9530086372

लुई-ब्रेल दृष्टिहीन विकास संस्थान

एच-32, बढ़ारना, बीएसएनएल ट्रेनिंग सेंटर के पीछे, वाया रोड नं. 14, वी.के.आई. एरिया, जयपुर-302013 दूरभाष: 0141-4023328

पेंशन पीपीओ पाकर दिव्यांग की मां का खिला चेहरा

जयपुर (सूजस)। जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी एवं भू-जल विभाग राज्यमंत्री सुशील कटारा डूंगरपुर जिले के करावाड़ा गांव निवासी दिव्यांग नीलेश के घर पहुंचकर उनकी मां मंजुला को तकनीकी कारणों से बंद हो चुकी पेंशन का पुन: पीपीओ दिया जिसे प्राप्त कर मां और बेटे दोनों के चेहरे खुशी से खिल उठे।

सुशील कटारा कुछ दिनों पूर्व एक शादी समारोह में सम्मिलित होने के समय दिव्यांग नीलेश एवं उसकी मां मंजुला उनसे मिली। मंजुला ने राज्यमंत्री को बताया कि उसके पति राजेन्द्र पाटीदार उर्फ कचरू का स्वर्गवास हो गया है तथा उसे मिलने वाली पेंशन बंद हो गई है जिसे चालू करवाने का आग्रह किया। यह जानकर राज्यमंत्री कटारा ने स्वयं संबंधित विभागीय अधिकारी से तत्काल बात की और तकनीकी कारणों से बंद पेंशन का शीघ्र मौके पर निस्तारण करवाकर पेंशन पीपीओ तैयार कराकर दिव्यांग नीलेश के घर पहुंच कर मां मंजुला को हाथों हाथ प्रदान किया। राज्यमंत्री जैसे ही दिव्यांग के घर पहुंचे तो नीलेश की मां की खुशी का ठिकाना नहीं रहा और कटारा से पुन: पीपीओ पेंशन आदेश पाकर आभार प्रकट किया।

दिव्यांग नीलेश से भी किया आत्मीय संवाद : राज्यमंत्री सुशील कटारा ने दिव्यांग नीलेश के घर पहुंचकर राहत देने के साथ ही नीलेश से काफी देर तक आत्मीय संवाद किया। उन्होंने नीलेश की मां मंजुला से नीलेश को अब तक मिली योजनाओं को लाभ की भी जानकारी ली तथा दिव्यांगों के लिए सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं की विस्तारपूर्वक जानकारी भी दी। उन्होंने सरकार द्वारा दी जा रही समस्त योजनाओं से पात्रतानुसार दिव्यांग नीलेश को लाभान्वित करने के लिए संबंधित विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए।

जन्मदिन पर दिव्यांगों के लिए दी व्हील चेयर

तोहाना। एक बेटी ने अपने जन्म दिन पर किसी प्रकार के आडंबर पर रूपया खर्च न करके बल्कि उसने दिव्यांगों के लिए एक व्हील चेयर दान दी।

डेरा सच्चा सौदा के पूर्व ब्लॉक भंगीदास नरेंद्र ठकराल की बेटी महक ठकराल ने अपने परिजनों के समक्ष इच्छा जताई कि वह अपने जन्म दिन पर उनसे कुछ नहीं लेगी यदि देना है तो वे उसे एक व्हील चेयर लेकर दें जिसे वह दिव्यांगों के लिए देना चाहती है।

उसके परिजनों ने उसकी इच्छा का स्वागत करते हुए एक व्हील चेयर लेकर नागरिक अस्पताल में एसएमओ डॉ.सतीश गर्ग के सुपुर्द की। एसएमओ डॉ.एच एस सागू, मुकंद लाल, कौशल्या देवी आदि मौजूद थे।

दिव्यांग छात्रों के साथ मनाया इन्टरनेशनल टेबल टेनिस डे

अजमेर (निप्र)। इन्टरनेशनल टेबल टेनिस डे समस्त विश्व में 6 अप्रैल को मनाया जाता है। अन्तर्राष्ट्रीय टेबल टेनिस के कोच प्रमुख- क्रिष्टन लोलिरोस व इनके भारत में टेबल टेनिस के प्रशिक्षक जो कि भारत के विभिन्न प्रदेशों में टेबल टेनिस का प्रशिक्षण दे रहे है, व स्थानीय क्षेत्रीय महाविद्यालय अजमेर में अध्ययनरत छात्रों ने मीनू मनोविकास इनक्लूसिव स्कूल में दिव्यांग बच्चों को प्रशिक्षण देकर यह अन्तर्राश्ट्रीय टेबल टेनिस डे मनाया गया। क्रिष्टन व उनकी सहयोगी कोच ने छात्रों के साथ टेबल टेनिस के खेलने की तकनीक को समझाया व विद्यालय के दिव्यांग छात्रों कमलेष, फाल्गुन, मोनिका, बस्सी, विष्णु सिंह, शाहरूख आदि छात्रों के साथ अन्तर्राष्ट्रीय टेबल टेनिस डे मनाया व छात्रों ने उत्सावर्धक इस कार्यक्रम में भाग लिया। कार्यक्रम का शुभारम्भ टेबल टेनिस के प्रमुख क्रिष्टन लोलिरोस ने केक काट कर अन्तर्राष्ट्रीय टेबल टेनिस डे का उद्घाटन किया व कोच के प्रमुख व सहयोगी टीम के कोच अधिकारियों द्वारा छात्रों को टेबल टेनिस में खेली जाने वाली सामग्रियाँ बैट्स, बॉल आदि दिव्यांग छात्रों को नि:शुल्क वितरित की गई।

कार्यक्रम के समापन में राजस्थान महिला कल्याण मण्डल के सी.प्रोग्राम ऑफिसर राकेश कुमार कौशिक ने क्रिष्टन लोलिरोस व उनकी सहयोगी टीम को सह धन्यवाद दिया और अपने सम्बोधन में जीवन में खेलों के महत्व व कितना उपयोगी व आवश्यक है। शारीरिक, मानसिक व अपने मस्तिष्क में छिपी अपार ऊर्जा को जागृत कर प्रत्येक मानव बहुत अधिक ऊर्जावान काम से न थकने वाला बन जाता है व सभी को कार्यक्रम में भाग लेने के लिए धन्यवाद दिया।

पोलियो की दवाई पिलाई

झालावाड (निप्र)। जिला विकलांग संघ झालावाड़ द्वारा गत वर्ष की भांति इस वर्ष भी नन्हे मुन्ने बच्चों को पोलियों की दवाई पिलाई गई। जिलाध्यक्ष रामप्रकाश भील ने बताया कि पांच साल से कम आयु के बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाना जरूरी हैं जिससे पोलियो की बिमारी से लड़ा जा सकता हैं। संघ द्वारा स्वास्थ्य भवन सब्जी मण्डी के पास बूथ लगाकर लगभग 200 से अधिक बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाई तथा बच्चों को टॉफी दी। इससे बच्चों के अभिभावकों में भी खुशी थी। इस अवसर पर संघ के बजरंग लाल गुर्जर, पूनम चन्द बारवाल, बृजमोहन वैष्णव, दयाराम बनेठ, जगदीश रेगर, महेश

टेलर, देवेन्द्र कश्यप, लक्ष्मी खजूरिया, संगीता सुतार, निर्मला लोधा, रेखा भील, उर्मिला, सुनिता गायरी, समाज सेवा ओम पाठक ने उपस्थित रहकर बच्चों को पोलियों की खुराक पिलाई।

एनटीपीसी की ओर से स्कूल गणवेश और लेखन सामग्री का वितरण

बारां (निप्र)। एनटीपीसी सीएसआर की ओर से राजकीय प्रवेशिका संस्कृत माध्यमिक विद्यालय, अन्ता और राजकीय आदर्श माध्यमिक विद्यालय, बालाखेड़ा में स्कूल गणवेश और लेखन सामग्री का वितरण किया गया। प्रेरणा महिला मंडल की उपाध्यक्ष रत्ना बंदोपाध्याय ने स्कूली बच्चों को इनका वितरण किया। उन्होंने स्कूली बच्चों को आगे बढ़ने के लिए लिखने पढ़ने की सलाह भी दी।

उत्कृष्ट कार्यो के लिए ए.के. जैन सम्मानित

विनोद जैन कोटखावदा

जयपुर। रामलीला मैदान में राजस्थान जैन सभा की ओर से आज भारत सरकार के प्रतिष्ठान रील के प्रबन्ध निदेशक ए.के. जैन को उनके उत्कृष्ट कार्यों

के लिए सम्मानित किया गया। जैन द्वारा प्रधानमंत्री के स्वच्छ भारत अभियान, डिजिटल इण्डिया व कई योजनाओं के क्रियान्वयन में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया हैं। इन बेमिसाल सेवाओं के जैन समाज का नाम गोरवान्वित करने के लिए राजस्थान जैन सभा की ओर से कृषि मंत्री प्रभू लाल सैनी ने शॉल ओढाकर व प्रशस्ति भेट कर सम्मानित किया।

तेरह दिव्यांगों को कम्प्यूटर प्रशिक्षण

उदयपुर। नारायण सेवा संस्थान द्वारा दिव्यांग एवं निर्धनों के लिए चलाए जा रहे नि:शुल्क स्वरोजगारोन्मुखी प्रशिक्षणों के क्रम में तीन माह के कम्प्यूटर प्रशिक्षण का समापन हुआ। निदेशक वंदना अग्रवाल ने तेरह प्रशिक्षणार्थियों को प्रमाण पत्र प्रदान किए। प्रशिक्षण प्राप्त करने वालों को कम्प्यूटर सुधार उपकरण किट प्रदान किए गए। परियोजना प्रभारी नीरज वसीटा ने प्रशिक्षण प्रतिवेदन प्रस्तुत किया।

राजस्थान की विजेता डेफ टीम का स्वागत

जयपुर (कासं)। आल इंडिया स्पोर्ट काउंसिलिंग ऑफ द डेफ, नई दिल्ली की ओर से चेन्नई में आयोजित 21वीं नेशनल गेम्स ऑफ द डेफ में राजस्थान की विजेता डेफ टीम का स्वागत एफ.एस. फाउण्डेशन की ओर से किया गया।

यहां के राजकीय सेठ आनंदीलाल पोदार मूक बधिर उ.मा. विद्यालय के प्रभारी डॉ. योगेन्द्र सिंह नरूका ने बताया कि राजस्थान डेफटीम को चार गोल्ड, तीन रजत व एक कांस्य पदक प्राप्त हुआ है।

जिनमें रमेश कुमार को शोट पुट व भाला फेंक में गोल्ड, अभिनव शर्मा को बैडमिंटन एकल व डबल में गोल्ड, वीरेन्द्र सिंह को 25 सौ मीटर चाल में गोल्ड, संदीप को भाला फेंक में व राजबल्लभ को बैडमिंटन में सिल्वर, गिरधारीलाल को कुश्ती में कांस्य पदक प्राप्त हुआ है। कार्यक्रम में एफ.एस. फाउण्डेशन की पूजा खंगारोत, विद्यालय के प्रधानाचार्य महेश वाधवानी आदि मोजूद रहे।

यूं उड़ान भरते हैं हौसले

कभी ताने सुनने वाले धन्नाराम पुरोहित आज हैं सैकड़ों नि:शक्तजनों का सहारा

जालोर। पैरों और एक आंख से नि:शक्त धन्नाराम पुरोहित के बारे में कभी गांव के लोग कहा करते थे कि यह बेचारा ज़िंदगी में क्या कर पाएगा, लेकिन आज उसी धन्नाराम ने सैकड़ों नि:शक्तजनों को धन्य कर रखा है। किसी भी दिव्यांग को तकलीफ न हो, वह आगे चलकर अपना सहारा खुद बने, इसके लिए धन्नाराम ने विकलांगों की सेवा को अपनी साधना बना लिया है। वह जालोर जिले में महावीर आवासीय मूक-बधिर विद्यालय के संचालक हैं तथा मूक-बधिर बच्चों और विकलांगों की सेवा में जुटे हुए हैं। इस विद्यालय में साठ मूक-बधिर बच्चे अध्ययनरत हैं।

यह जोधपुर संभाग का एकमात्र मूक-बधिर आवासीय विद्यालय है, जो

सिर्फ धन्नाराम के जज्बे और समर्पण की वजह से चल रहा है। धन्नाराम कहते हैं, ये सुन-बोल नहीं सकते, लेकिन मैं इनकी आंखें पढ़ता हूं। उनमें आगे बढ़कर आसमान चीरने का जज्बा है। यही मेरी हिम्मत है। धन्नाराम को अपना विकलांग प्रमाण पत्र बनवाने के लिए पन्द्रह दिन अस्पताल के चक्कर काटने पड़े थे। तभी उन्होंने तय किया कि ज़िदगी अपने जैसों की सेवा में ही बिताऊंगा।

धन्नाराम बताते हैं कि सात साल की उम्र में एक कंपाउंडर की लापरवाही की वजह से उनके पैर और एक आंख चली गई। घरवालों ने हरसंभव इलाज के साथ देवताओं के भी चक्कर काटे, लेकिन नतीजा शून्य रहा। पांचवीं तक गांव मेड़ा में पढ़े। मिडिल स्कूल पांच किलोमीटर दूर कूका गांव में थी, लेकिन पिता भैराराम की चाह थी कि वह आगे पढ़े। भैराजी तीन साल तक धन्नाराम को अपने कंधों पर बिठाकर स्कूल ले जाते और छुट्टी होने पर वापस लाते। तब धन्नाराम उन दिव्यांग बच्चों को देखकर चिंतित हुआ करते थे, जिनके घरवालों का जज्बा उनके पिता जैसा नहीं था। उन्होंने ठान लिया कि पढ़-लिखकर इनके लिए कुछ जरूर करेंगे। यही धुन आज उनकी सेवा का आधार है।

कहिए तो आसमां को जमीं पर उतार लाएं

मुश्किल नहीं है कुछ भी अगर ठान लीजिए।

मुहिम खुद के पैसों से

पहले पहल न तो सरकारी फंड था और न ही समाजसेवी संस्थाओं का विश्वास। धन्नाराम ने खुद के पैसों से अभियान जारी रखा। सरकारी फंड तो आज भी नहीं है, लेकिन लोगों का इतना विश्वास हासिल कर लिया है कि किसी भी तरह के सहयोग के लिए कोई मना नहीं करता।

दिव्यांगजनों का विवाह सम्पन्न हुआ

झालावाड़ में आयोजित एम.जी. वेलफेयर सोसायटी द्वारा आयोजित अहले मुस्लिम विवाह सम्मेलन दिनांक 26 मार्च 2017 को सम्पन्न हुआ जिसमें फिरोज खान [illegible] का निकाह [illegible] के साथ होने पर समाचार पत्र परिवार दिव्यांगजनों को हार्दिक शुभकामनाएं देता है।

मूक बधिर बच्चों ने मनाया भारतीय नववर्ष

स्पेन से आयी डांसर कोरियोग्राफर सोहिनी रॉय चौधरी ने मूक बधिर बालिकाओं को सिखाया भारतीय शास्त्रीय नृत्य

जयपुर (कासं)। राजकीय सेठ आनन्दीलाल पोद्दार मूक बधिर उच्च माध्यमिक विद्यालय जयपुर में मूक बधिर बच्चों ने भारतीय नववर्ष हर्षोल्लास से मनाया। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम की मुख्य अथिति सोहिनीमोक्षा आर्ट्स डा ला इंडिया मैड्रीड, स्पेन की फाउण्डर प्रेसिडेंट सोहिनी रॉय चौधरी रही। विद्यालय के शाला प्रभारी डॉ. योगेन्द्र सिंह नरूका ने बताया की इस अवसर पर सोहिनी रॉय चौधरी ने मूक बधिर बालिकाओं को भारतीय शास्त्रीय नृत्य परंपरा

से अवगत कराया व भरत नाट्यम्, कत्थक के बारे में लाइव डेमो देकर मूक बधिर बालिकाओं को भारतीय शास्त्रीय नृत्य परंपरा से जुड़ने का आव्हान् किया। इस अवसर पर विद्यालय प्रधानाचार्य महेश वाधवानी, शाला प्रभारी डॉ. योगेन्द्र सिंह नरूका व विद्यालय के भामाशाह एस.एस. भण्डारी आदि उपस्थित रहे।

शीतल प्याऊ का उद्घाटन

जयपुर (कासं)। राजकीय सेठ आनंदीलाल पोदार मूक बधिर उ.मा. विद्यालय में जैन सोशियल ग्रुप की ओर से शीतल प्याऊ का समाजसेवी गणेश सिंह राजावत ने शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर विद्यालय के प्रधानाचार्य महेश वाधवानी व शाला प्रभारी डॉ. योगेन्द्र सिंह नरूका आदि उपस्थित रहे।

शिक्षक अभिभावक संघ की बैठक

जयपुर (कासं)। राजकीय सेठ आनंदीलाल पोदार मूक बधिर उ.मा. विद्यालय में आयोजित शिक्षक अभिभावक संघ की बैठक में शाला प्रभारी एव चित्रकला व्याख्याता डॉ. योगेन्द्र सिंह नरूका को कला क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने पर अभिभावक संघ के अध्यक्ष हरिसिंह बांगड़ी, सचिव योगेन्द्र कुमार जोशी एवं विद्यालय के प्रधानाचार्य महेश वाधवानी ने प्रतीक चिन्ह भेंटकर सम्मानित किया।

स्पेशल ओलिंपिक्स प्लेयर्स सम्मानित

जयपुर (कासं)। पिछले महीने ऑस्ट्रिया में आयोजित स्पेशल विंटर ओलिंपिक्स में पदक जीतने वाली राजस्थान की तीन लड़कियों को राजस्थान के खेल मंत्री गजेंद्र सिंह खींवसर ने सम्मानित किया। स्पेशल ओलिंपिक्स के फ्लोर हॉकी इवेंट में कांस्य पदक जीतने वाले टीम में उमंग (जयपुर) की डुल्फिशा, माइलस्टोन (जयपुर) की मनोरमा जैन और जोधपुर पूनम भाटी ने शानदार प्रदर्शन किया। इस समारोह में उमंग की चेयरपर्सन बीना काक, निदेशक दीपक कालरा और स्पेशल ओलिंपिक्स के एरिया डायरेक्टर यूके पांडेय सहित कई लोग उपस्थित थे।

राजस्थान टीम को मिले पैरा एथलेटिक्स में दो स्वर्ण पदक

जयपुर(कासं)। मेजबान राजस्थान के पैरा एथलीटों ने नेशनल पैरा गेम्स के अंतिम दिन दो स्वर्ण पदक जीते। राजस्थान की महिला धावकों ने 4 गुणा 400 मीटर दौड़ में टी 42 और 46 कैटेगरी में पहला स्थान हासिल किया। दोनों ही इवेंट में दिल्ली के धावकों ने रजत और हरियाणा के रनर्स ने कांस्य पदक जीता। राजस्थान के एथलीट 19 स्वर्ण सहित कुल 34 पदकों जीतने में कामयाब रहे। वहीं पैरा स्वीमिंग में राजस्थान के तैराकों ने 25 स्वर्ण समेत कुल 34 पदक जीते। महिला तैराकों ने जहां 19 स्वर्ण पदक जीते, वहीं पुरुषों के खाते में 6 सोने के तमगे आए। समापन समारोह के मुख्य अतिथि जयपुर शहर सांसद रामचरण बोहरा ने इस आयोजन की तारीफ करते हुए इसे प्रदेश के लिए गौरवमयी क्षण बताया। इस दौरान नि:शक्त जन आयोग के कमिश्नर धन्नाराम राजपुरोहित भी मौजूद थे।

ये प्रतिभाएं छाई रहीं: राजस्थान की शताब्दी अवस्थी, ओडिशा की ज्योत्सना बैरा, हरियाणा के धर्मवीर और अर्जुन अवार्ड विजेता हरियाणा के अमित सरोहा ने बेहतरीन प्रदर्शन से खेलों को नया आयाम दिया किया।

नेत्रहीन अभिषेक ने दो गोल्ड व दो सिल्वर पर कब्जा कर भिवानी को दिए पदक

भिवानी (निप्र)। शहर के निकटवर्ती गांव ढ़ाणा लाडनपुर के 25 वर्षीय नेत्रहीन अभिषेक ने जयपुर के सवाई मान सिंह स्टेडियम में सम्पन्न हुई 17वीं नैशनल पैरा एथलेटिक्स चैम्पियनशिप में गोल्ड के साथ तीन पदक जीत कर मां-बाप के साथ-साथ शहर व प्रदेश का नाम भी रोशन किया है। गांव ढ़ाणा लाडनपुर निवासी मोतीराम के नेत्रहीन पुत्र अभिषेक जन्म से ही अन्धता का शिकार हैं लकिन कहते है कि हुनर कभी छुपता नहीं इनके मामा अमन की प्रेरणा से दौड में अपना भाग्य अजमाना शुरू किया।

शुरूआत में हालांकि बैंगलोर में कोई सफलता हासिल नहीं हुई थी लेकिन यूपी, गाजियाबाज में एक सिल्वर मेडल प्राप्त करने के बाद पीछे मुड़कर नहीं देखा। 2016 में नेत्रहीन अभिषेक ने 4 सिल्वर मैडल अपनी झोली में डाले। इतना ही नहीं पिछले दिनों आयोजित सवाई मान सिंह स्टेडियम जयपुर में 17वीं नैशनल पैरा एथलेटिक्स चैम्पियनशिप में उसे एक साथ तीन पदक दिलाए हैं।

अभिषेक ने 400 मीटर दोड में स्वर्ण पदक हासिल किया तो 400 मी. व 1500 मी. में सिल्वर मैडल पर कब्जा किया। यहीं नहीं 400 गुणा 4 व 400 गुणा 4 रिले में भी गोल्ड हासिल किया है। नेत्रहीन अभिषेक ने छह माह पूर्व ही पंजाब नेशनल बैंक में लिपिक के पद पर अपनी सेवाएं देनी शुरू की हैं। अभिषेक का कहना है कि बैंक की सेवाओं के बाद उन्हे लगता था कि अब वे आगे खेल की दुनिया में नहीं बढ़ पाएगें लेकिन बैंक अधिकारी बिमला मेंहदिया, सीनियर मैनेजर विपिन कुमार, चीफ मैनेजर सुरेन्द्र प्रसाद गुप्ता के भरपूर सहयोग से उन्हें इस सफलता तक पहुंचने का श्रेय दिया है। अभिषेक बीएए बीएड व एमए प्रवेश में अभी अध्यनरत हैं। इनका सपना ओलंपिक में जाकर देश का तिरंगा फहराना है।

शिक्षण प्रशिक्षण की दी जानकारी

बदायूं। सर्वशिक्षा अभियान के अंतर्गत नगर संसाधन केंद्र पर चल रहे प्रशिक्षण शिविर के दूसरे दिन शिक्षकों को दिव्यांगों के काम आने वाले उपकरणों, रखरखाव और गणित विद्या और शिक्षण प्रशिक्षण की जानकारी दी गई।

समेकित शिक्षा के विशेष शिक्षक प्रदन्या मिश्रा ने कहा कि दिव्यांग बच्चों में अतुलनीय क्षमता और अभूतपूर्व ऊर्जा होती है। बच्चों की प्रतिभाओं को उभारें, योग्य और अनुभवी बनाकर राष्ट्र की बुलंदी का गौरव दिलाएं। उन्होंने ब्रेल लिपि से लिखने, शलाका की सहायता से स्लेट के छोटे-छोटे खानों में ब्रेल अक्षरों को उभारने का तरीका, छूकर पढ़ना और सावधानियों को समझाया। जिससे दिव्यांग छात्र अक्षर के दोनों रूपों के एक साथ सीखने में समर्थ हो सकें। उन्होंने कहा कि छात्र अक्षरों के आकार को पेन या पेन्सिल के नोक से अनुसरण कर सकने और इस तरह लिखावट की कुशलता प्राप्त कर सकते है। प्रशिक्षक गिरजाशंकर ने कहा कि विशिष्ट आवश्यकता वाले श्रवण बाधित, दृष्टि बाधित, मानसिक मन्दित और अस्थिबाधित बच्चों के लिए टेयलर फ्रेम एक अच्छा प्रमाणिक यंत्र साधन है, जिससे दिव्यांग छात्र सरलता से गणित सीख सकते है, क्योंकि यह एक स्पर्श ग्राहय सुझाव है।

प्रशिक्षक चन्द्रभान सिंह ने श्रवण बाधित बच्चों के श्रवण यंत्र के प्रकार, उसके रखरखाव, शिक्षण प्रशिक्षण, आवासीय एक्सीलेरेटेड लर्निंग कैम्प के बच्चे किस तरह दैनिक क्रिया-कलापों की जानकारी दी। शिक्षक ओम प्रकाश ने दिव्यांग बच्चों को मनोरंजन के खुले अवसर प्रदान करें।

जगदीश तेली का सम्मान

उदयपुर (निप्र)। खेल गांव के दिव्यांग तैराक जगदीश तेली ने हाल ही में जयपुर में आयोजित 31 मार्च से 4 अप्रैल तक नेशनल पैरा स्विमिंग एंड एथलेटिक चैंपियनशिप में 1 गोल्ड 3 सिल्वर जीते हैं इस प्रतियोगिता में देश भर के दिव्यांग तेराको ने भाग लिया था जगदीश ने 200 मीटर व्यक्तिगत रिले में गोल्ड 100 मीटर फ्री स्टाइल 100 मीटर बैक स्ट्रोक एवं 100 मीटर बटरफ्लाई में रजत पदक जीते हैं राजसमंद निवासी एवं उदयपुर खेल गांव के तैराक जगदीश तेली ने इस प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन करते हुए यह उपलब्धि हासिल हैं। उदयपुर खेल अधिकारी ललित सिंह झाला ने बताया कि जगदीश लगातार तीन साल से कोच महेश पालीवाल के निर्देशन में तेराकी का अभ्यास कर रहा है उदयपुर कलेक्टर रोहित गुप्ता के द्वारा जगदीश का स्वागत एवं सम्मान किया गया जिसमें तरणताल का पूरा स्टाफ और सभी तेराको के फैमिली मेंबर्स उपस्थित थे।

तनावदायक स्थिति अवसाद का कारण

भिवानी (निप्र)। बंसीलाल विश्वविद्यालय में मनोविज्ञान विभाग द्वारा व्याख्यानों का आयोजन किया गया इस व्याख्यान में रोहतक मे साइकेट्रिस्ट विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर किशन सोनी डिप्रेशन होने के कारणों व उपचार के बारे में प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि जिंदगी में कई ऐसे पड़ाव आते हैं जैसे मानसिक आघात, कटु अनुभव, सदमा, किसी करीबी रिश्तेदार की मृत्यु, एक तनावयुक्त संबंध या कोई भी तनावदायक स्थिति अवसाद का कारण बन सकते हैं। अवसाद से ग्रसित लोग न केवल भूख और नींद की कमी जैसी समस्या से प्रभावित होते हैं बल्कि उन में आत्मविश्वास की कमी और हीनता का भाव तक आ जाता है। उनका कहना है कि अवसाद किसी भी उम्र और वर्ग के लोगों को हो सकता है। आजकल तो छोटे-छोटे बच्चों को भी डिप्रेशन होने लगा है। 8 वर्ष से लेकर 15 वर्ष तक की आयु के बच्चे डिप्रेशन का शिकार होने लगे हैं। इसीलिए परिजनों को सजग रहना चाहिए। अगर उनके परिवार का कोई सदस्य गुमसुम रहता है या फिर निराशावादी बातें करता है तो उसे तुरंत किसी अच्छे मनोचिकित्सक के पास ले जाएं। उसे अकेले में ना रहने दें। जितना हो सके उसे हंसाने की कोशिश करें। इसी अवसर पर पंजाबी यूनिवर्सिटी पटियाला से आई प्रोफेसर वंदना शर्मा ने बताया कि डिप्रेस्ड व्यक्ति खुद को लाचार और निराश महसूस करता है। उस व्यक्ति विशेष के लिए सुख शांति सफलता खुशी यहां तक कि रक्त संबंध तक बेमानी हो जाते हैं। उसे सर्वत्र निराशा, तनाव, अशांति व अरुचि प्रतीत होती है। इसके साथ ही उनका कहना है कि अवसाद अक्सर दिमाग के न्यूरो ट्रांसमीटर की कमी के कारण भी होता है। न्यूरोट्रांसमीटर्स दिमाग में पाए जाने वाले रसायन होते हैं। जो दिमाग और शरीर के विभिन्न हिस्सों में तारतम्यता स्थापित करते हैं ।

गुजरात ने पहचानी किरण की प्रतिभा

जोधपुर (निप्र)। स्वीमिंग में एनआईएस डिप्लोमा। राज्य, राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पदकों का अम्बार। लेकिन तीन साल की उम्र में हुआ पोलियो राजस्थान में जॉब मिलने में आड़े आया। यह कहानी है जोधपुर की पैरा तैराक किरण टाक की। किरण पहली पैरा तैराक हैं जिन्होंने एनआईएस डिप्लोमा हासिल किया और राजस्थान सरकार में कोच की नौकरी के लिए अप्लाई किया। लेकिन उन्हें यह कह कर मना कर दिया गया है कि हमारे यहां पैरा खिलाड़ियों के लिए ऐसी कोई स्कीम नहीं है। किरण बताती हैं, मैंने हर कोशिश की कि मैं अपने अनुभव को अपने राज्य के खिलाड़ियों के साथ ही बांटू लेकिन हर तरफसे मुझे निराशा मिली। हर तरफसे दुत्कार दिए जाने के बाद मैंने गुजरात का रुख किया। गुजरात सरकार ने मेरी प्रतिभा को पहचाना और मुझे नौकरी दी। मेरे जैसे और भी कई लोग हैं जो कि राजस्थान का होते हुए भी अन्य राज्यों में नौकरी कर रहे हैं। राजस्थान में खिलाड़ियों की कोई कद्र नहीं है।

2003 से लगातार नेशनल चैंपियन: किरण 2003 से लगातार पैरा नेशनल गेम्स में (एस-9) की चैंपियनशिप हासिल कर रही हैं। हाल ही में जयपुर में सम्पन्न नेशनल पैरा स्वीमिंग में 6 इवेंट में हिस्सा लिया और सभी में गोल्ड जीता।

एसएमएस में नहीं है वीमेन कोच: एसएमएस स्टेडियम में एक मिनी और 50 मीटर ऑलवेदर स्वीमिंग पूल है। एक और पूल पर रिपेयर का काम चल रहा है। सैकड़ों महिला और लड़कियां भी यहां स्वीमिंग सीखने आती हैं लेकिन यहां कोई वीमेंस कोच नहीं है।

राजस्थान इलेक्ट्रॉनिक्स एण्ड इन्स्ट्रूमेन्ट्स लि. को मिला राष्ट्रपति सम्मान

जयपुर (कासं)। राजस्थान इलेक्ट्रॉनिक्स एण्ड इन्स्ट्रूमेन्ट्स लिमिटेड, (रील) को इन्डिविजुअल लीडरशिप कैटेगरी में स्कोप एक्सीलेंस अवार्ड एवं अनुसंधान, नवाचार व तकनीकी विकास के लिए कम्पनी को स्कोप मेरिटोरियस अवार्ड 2014-15 से सम्मानित किया गया।

राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी द्वारा यह पुरस्कार रील के प्रबन्ध निदेशक, ए.के. जैन ने ग्रहण किया।

स्कोप द्वारा नई दिल्ली स्थित विज्ञान भवन में आयोजित भव्य समारोह में केन्द्रीय भारी उद्योग एवं लोक उद्यम मंत्री अनंत गीते एवं केन्द्रीय भारी उद्योग एवं लोक उद्यम राज्य मंत्री बाबुल सुप्रियो अन्य गणमान्य अतिथियों कि उपस्थिति में यह पुरस्कार प्रदान किए गए। यह प्रतिष्ठित पुरस्कार स्कोप द्वारा सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों को देश के आर्थिक, ओद्योगिक और सामाजिक विकास में महत्वपूर्ण योगदान के लिए दिये जाते है। इस अवसर पर भारत सरकार के लोक उद्यम विभाग की सचिव श्रीमती सीमा बहुगुणा भी उपस्थित थी।

इस अवसर पर रील के प्रबंध निदेशक ए.के.जैन ने बताया कि रील, केन्द्रीय भारी उद्योग और लोक उद्यम

मंत्रालय के प्रशासनिक नियंत्रण के अधीन मिनी रत्न, सी श्रेणी का सार्वजनिक क्षेत्र का उद्यम है। वर्ष 1981 मे स्थापना के बाद से ही कंपनी निरतंर बेहतर ट्रैक रिकार्ड के साथ पेशेवर प्रबन्धन और लाभदायक पथ पर अग्रसर है। जैन ने कहा कि रील के त्वरित विकास में प्रौद्योगिकी के समाधानों का महत्वपूर्ण योगदान है। उन्होंने कहा कि हमारा ध्येय खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए राष्ट्रीय मिशनों के साथ मिशन मोड में काम करते हूए इलेक्ट्रॉनिक्स, अक्षय ऊर्जा एवं सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में कुशल, विश्वसनीय और सस्ती उत्पादों और समाधानों के माध्यम से उभरती हुई जरूरतों को पूरा करना है। जैन ने बताया कि ऊर्जा सुरक्षा, सूचना और आर्थिक स्वतंत्रता तक पहुंच, जो हमारे ग्रामीण भाइयों और राष्ट्र को बड़े पैमाने पर सशक्त बनाने के लिए आवश्यक है। उन्होंने बताया कि रील पिछले तीन दशको से डेयरी सेक्टर में एक ब्रान्ड के रूप में स्थापित है, सौर ऊर्जा के क्षेत्र में कम्पनी ने 50 से ज्यादा उत्पादों के साथ 1.85 लाख संयंत्र पूरे भारत वर्ष में सफलतापूर्वक स्थापित किए है। उन्होने बताया कि कंपनी सबसे बडे ऑफ ग्रीड सोलर सॉल्यूशंस प्रदाता के रूप में उभरा है और पूरे देश में 2.85 लाख एसपीवी समाधानों की तैनाती के जरिए 50 से अधिक मेगावाट की कुल क्षमता के साथ 1.5 लाख गांवों को कवर करते हुए अपने कारोबार का विस्तार किया है और 60 लाख से अधिक नागरिको को फायदा पहुँचा रहा है।

जैन ने कहा कि कम्पनी का टर्नओवर विगत पाँच वर्षो में बढ़कर दोगुना, प्रॉफिट 7 गुना व नेटवर्थ आर्डर बुकिंग के साथ पाँच गुना हो गया है। कम्पनी ने पिछले वर्ष अपने शेयरधारकों को उच्च लाभांश का भुगतान किया। जैन ने कहा कि हमने कम्पनी की विशिष्ट जरूरतों को पहचान कर, उन्हें गुणवत्ता वाले उत्पादों में परिवर्तित कर और बिक्री पश्चात् भरोसेमंद सेवाएं प्रदान करके, ग्राहकों की सम्पूर्ण संतुष्टि सुनिश्चित की है। जैन ने कहा की कम्पनी द्वारा भारत सरकार की कई हस्ताक्षर परियोजनाएं को विभिन्न क्षेत्रों जैस डेयरी, सौर ऊर्जा, रेलवे, कृषि, शिक्षा, रक्षा और चिकित्सा क्षेत्र में शुरू किया गया है।

रक्तदान से बड़ी मानव सेवा कोई नहीं

भिवानी (निप्र)। किसी भी दुर्घटनाग्रस्त व्यक्ति को समय रहते अगर रक्त मुहिया करवाया जा सके तो इससे बडी मानव सेवा कोई नही है। श्री देवसर धाम ट्रस्ट, देवसर एवं रैडक्रास इंस्टीटयूट ऑफ कम्प्यूटर टैकनोलॉजी, भिवानी के संयुक्त तत्वावधान में देवसर मन्दिर में आयोजित रक्तदान शिविर का आयोजन उपायुक्त एवं अध्यक्ष रैडक्रास सोसायटी अंशज सिंह के मार्गदर्शन में किया गया। रक्तदान शिविर का शुभारम्भ रैडक्रास सचिव प्रदीप कुमार, प्रधान श्री देवसधाम ट्रस्ट पवन चौहान व सरपंच राधेश्याम ने किया। स्वैच्छिक रक्तदान शिविर में सैंकडों युवाओं ने अपना रक्तदान करने के लिए नांमकन करवाया। उल्लेखनीय है कि रक्तदान सेवाओं को बढावा देने के लिए श्री देवसरधाम ट्रस्ट के पूजारियों एवं न्यासियों ने अपनी स्वेच्छा से रक्तदान किया।

इस अवसर पर सभी रक्तदाताओं को सचिव प्रदीप कुमार द्वारा स्मृति चिन्ह, प्रमाण-पत्र एवं बैज लगाकर सम्मानित किया। उन्होंने युवाओं से अनुरोध किया कि हर स्वस्थ युवा

जिसकी उम्र 18 वर्ष से अधिक हो वह युवा हर तीन माह के बाद अपना रक्तदान कर सकता है और किसी भी जरूरतमंद लोगों को जीवनदान दे सकता है। हर युवा को रैडक्रास का नियमित रक्तदाता बनना चाहिए जिससे कि आपातकालीन स्थिति में दुर्घटनाग्रस्त व्यक्ति, गर्भवति महिलाओं को समय रहते रक्त यूनिट मुहिया करवाई जा सके।

श्री देवसर धाम ट्रस्ट, देवसर के प्रधान पवन चौहान ने आम जन से अनुरोध किया कि श्री देवसर धाम ट्रस्ट हर वर्ष चैत्र मास व अश्वीन मास में आने वाले नवरात्रों को रक्तदान शिविर का आयोजन करेगी तथा देवसर मन्दिर में आने वाले सभी भक्तजनों से प्रार्थना है कि वे रक्तदान मुहिम के साथ जुडे जिससे कि जरूरतमंद लोगों को समय रहते रक्त मुहिया करवाकर उनका जीवन बचाया जा सके।

इस अवसर पर आरआईसीटी प्रबंधक संजय कामरा, सहायक जयभगवान, लिपिक विकास कुमार, कवरपाल, ट्रस्टी ब्रिजपाल, बालमुकंद, कर्मबीर, मास्टर जोगेन्द्र कौशिक, बंटी सहित आरआईसीटी के सैंकडो युवा उपस्थित रहे।

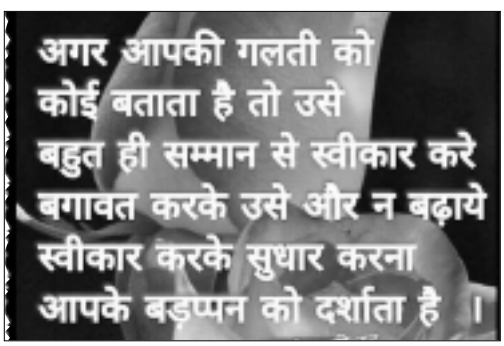

दिव्यांग बच्चों को फल बांटे

अजमेर (निप्र)। दिगंबर जैन महासमिति महिला एवं युवा महिला संभाग अजमेर की सर्वोदय कॉलोनी इकाई की ओर से भगवान आदिनाथ के जन्म कल्याणक के अवसर पर कोटड़ा स्थित दिव्यांग बच्चों के आवासीय विद्यालय अपना घर में 75 बच्चों को फल, बिस्किट पैकेट्स का वितरण एक समय का भोजन कराते हुए बच्चों की कुशल क्षेम पूछी। विद्यालय को फर्नीचर दिया गया। युवा संभाग अध्यक्ष मधु पाटनी ने बताया कि पीड़ित मानव जीवदया सेवार्थ कार्य में अग्रणी रह कर कार्य किया जा रहा है। सर्वोदय कॉलोनी इकाई अध्यक्ष मधु जैन, मंत्री रेनू पाटनी ने बताया कि इकाई सदस्यों सुषमा पाटनी, निशा बाकलीवाल, नीरू सोगानी, धनगसिया परिवार का विशेष सहयोग रहा। महिला संभाग अध्यक्ष शिखा बिलाला ने आभार व्यक्त किया।

भारतीय स्टेट बैंक द्वारा 5 मोबाइल एटीएम वैन का शुभारम्भ

जयपुर (कासं)। भारतीय स्टेट बैंक ने स्टेट बैंक ऑफ बीकानेर एण्ड जयपुर व अन्य सहयोगी बैंकों के विलय के दिवस पर पाँच मोबाइल एटीएम वैन का शुभारम्भ किया। दिवाकर महान्ति व विजय रंजन, मुख्य महाप्रबंधकों ने इस कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। वर्तमान में, जयपुर व उदयपुर में चालित तीन मोबाइल

एटीएम वैन के अतिरिक्त, यें पाँच मोबाइल एटीएम वैन अजमेर, अलवर, बीकानेर, जोधपुर और कोटा शहरों में ग्राहकों को एटीएम द्वारा अविरल बैंकिंग सुविधाओं का अनुभव देंगी। राजस्थान में भारतीय स्टेट बैंक के कुल 2963 एटीएम व कैश रिसायक्लर हैं जोकि प्रदेश के सबसे बड़े एटीएम नेटवर्क का प्रतिनिधित्व करती हैं। भारतीय स्टेट बैंक अपने एटीएम नेटवर्क को बढ़ाने के साथ अपनी सेवा के लिए प्रतिबद्ध है और पारम्परिक सौहर्द के साथ अंतर्राष्ट्रीय बैंकिंग सेवाओं के लिए कार्यरत है।

राष्ट्रीय अंधता नियंत्रण कार्यक्रम

एसएमएस अस्पताल में बनेगा क्षेत्रीय आप्थेल्मोलाजी संस्थान

जयपुर (कासं)। प्रमुख शासन सचिव चिकित्सा एवं स्वास्थ्य श्रीमती वीनू गुप्ता ने राष्ट्रीय अंधता नियंत्रण कार्यक्रम के प्रभावी क्रियान्वयन कर निर्धारित लक्ष्यों को अर्जित करने के निर्देश दिये हैं। एसएमएस अस्पताल में क्षेत्रीय आथेल्मोलाजी संस्थान स्थापित करने के प्रस्ताव तैयार किये गये हैं।

श्रीमती गुप्ता अपराह्न स्वास्थ्य भवन में राष्ट्रीय अंधता निवारण कार्यक्रम की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर रही थी। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि क्षेत्रीय संस्थान की स्थापना से गुणवत्तापूर्ण आई बैंक केयर सेवाओं, विशेषज्ञ स्वास्थ्य सेवाओं के साथ ही शोध गतिविधियों को भी बढ़ावा मिलेगा।

प्रमुख शासन सचिव ने बताया कि प्रदेश के मेडिकल कालेजों, जिला चिकित्सालयों, स्वयंसेवी संगठनों व निजी चिकित्सालयों के माध्यम से नेत्र शिविर आयोजित कर मोतियाबिंद के नि:शुल्क आपरेशन किये जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि वित्तीय वर्ष 2014-15 से फरवरी 2017 तक 7 लाख से अधिक मरीजों के नि:शुल्क मोतियाबिंद आपरेशन कर स्वास्थ्य सेवाएं सुलभ करायी गयी हैं। इस दौरान 5 हजार से अधिक नेत्र चिकित्सा शिविर आयोजित किये गये हैं।

श्रीमती वीनू गुप्ता

श्रीमती गुप्ता ने बताया कि वित्तीय वर्ष वित्तीय वर्ष 2014-15 से फरवरी 2017 तक 4 हजार 137 नेत्र संग्रहण एवं 2 हजार 195 कैरेटोप्लास्टी की गयी है। उन्होंने बताया कि सरकारी स्कूलों में वित्तीय वर्ष 2014-15 से फरवरी 2017 तक 6 से 14 वर्ष तक के 7 लाख 14 हजार 557 बच्चों की दृष्टिजांच की गयी एवं 63 हजार 229 बच्चों चश्मे वितरित किये गये। उन्होंने बताया कि स्वयंसेवी संगठनों द्वारा संचालित निजी अस्पतालों के माध्यम से आंखों की अन्य बीमारियों की चिकित्सा में प्रोत्साहन हेतु डायबिटिक रेटिनोपैथी, ग्लूकोमा व चाईल्ड लाइंडनेस में 1500 रुपये, लेजर तकनीक कार्नियल ट्रांसप्लांटेशन व विक्ट्री में 5000 रुपये की राशि लाभार्थियों को प्रोत्साहन स्वरूप दी जा रही है।

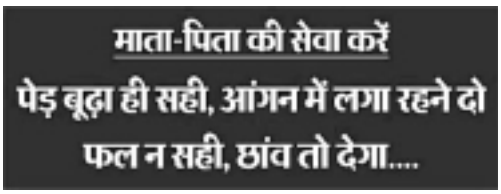

राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम

विमंदितों के सीएचसी स्तर पर सर्टिफिकेट जारी करने के निर्देश

जयपुर (कासं)। प्रमुख शासन सचिव चिकित्सा एवं स्वास्थ्य श्रीमती वीनू गुप्ता ने प्रात: स्वास्थ्य भवन में बैठक आयोजित कर राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम के तहत संचालित गतिविधियों की समीक्षा की एवं आगामी कार्ययोजना पर विस्तार से चर्चा कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिये।

श्रीमती गुप्ता ने तनाव प्रबंधन एवं मानसिक बीमारियों के उपचार सेवाओं को जरूरतमंदों तक पहुंचाने के लिये विशेष कार्ययोजना बनाकर सर्वाधिक प्रभावित क्षेत्रों में सीएचसी स्तर पर आउटरीच कैम्प आयोजित करने के निर्देश किये। साथ ही पीएचसी स्तर पर कार्यरत आयुष चिकित्सकों को विशेष प्रशिक्षण देकर मानसिक बीमारियों से ग्रसित मरीजों की स्क्रीनिंग कर आवश्यकतानुसार रैफर सेवायें सुलभ कराने के भी निर्देश दिये। उन्होंने मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ बनाने एवं आमजन तक सुगमता से पहुंचाने के लिये हैल्पलाईन बनाने की आवश्यकता प्रतिपादित की। उन्होंने लाभार्थी को ध्यान में रखते हुये प्रचार-प्रसार गतिविधियां आयोजित करने के निर्देश दिये।

श्रीमती गुप्ता ने मानसिक रूप से विमंदित लोगों के लिये जिला एवं सीएचसी स्तर पर नियमानुसार डिसेबिलिटी सर्टिफिकेट जारी करने की कार्यवाही करने पर विशेष बल दिया। उन्होंने राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम में चयनित होने वाले कार्मिकों के लिये विशेषज्ञों द्वारा प्रशिक्षण आयोजित करने के भी निर्देश दिये।

स्वास्थ्य सचिव एवं मिशन निदेशक नवीन जैन ने प्रदेश के बड़े शैक्षणिक संस्थानों में मानसिक स्वास्थ्य विशेषज्ञों एवं परामर्शदाताओं के माध्यम से सेमीनार आयोजित कर विद्यार्थियों को तनाव प्रबंधन एवं संतुलित दिनचर्या विषय पर आवश्यक जानकारी दिये जाने पर बल दिया। उन्होंने ग्रामीण स्तर पर मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम, सामान्य परेशानियों व उनसे बचने के उपायों एवं स्वस्थ जीवन के लिये आवश्यक तरीकों के लिये प्रचार-प्रसार कार्यक्रम आयोजित करने के भी निर्देश दिये।